साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम 2023-24					
CLASS - 10 SUBJECT - HISTORY					
माह	**सप्ताह**	**पाठ का नाम**	**पाठ खण्ड**	**कालांश**	**अधिगम प्रतिफल**
June-2023	पहला	;jki e jk"Vokn dk mn;	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	1	राष्ट्रवाद की अवधारणा और राष्ट्र की अंतर्निहित विषेषताओं की व्याख्या करता है।
			फ्रांसीसी क्रांति और राष्ट्र का विचार	1	
	दूसरा		यूरोप में राष्ट्रवाद का निर्माण कुलीन वर्ग और नया मध्यम वर्ग उदारवादी राष्ट्रवादी के क्या मायने थे?	1	यूरोप में स्वतंत्रता और समानता के विचारों को फैलाने में फ्रांसीसी क्रांति की भूमिका को पहचानता है। राष्ट्रों के निर्माण में क्रांतिकारियों की भूमिका को चित्रित करता है।
			1815 के बाद एक नया रूढ़ीवाद क्रांतिकारी	1	यूरोप में राष्ट्रवाद और इसके विभिन्न रूपों का विचार कैसे उभरा, इसका विष्लेषण करता है। राष्ट्रवादी भावनाओं को विकसित करने में भाषा की भूमिका को पहचानता है।
	तीसरा		क्रांतियों का युग 1830 –1848 रूमानी कल्पना और राष्ट्रीय भावना	1	बताता है कि कैसे महिनाओं ने राष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया।
			भूख, कठिनाईयाँ और जन विद्रोह 1848 : उदारवादियों की क्रांति	1	1815 के बाद यूरोप के नक्षे को देखता है और राष्ट्र राज्यों के निर्माण के बाद तुलना करता है।
	चौथा		जर्मनी और इटली का निर्माण जर्मनी क्या सेना राष्ट्र की निर्माता हो सकती है? इटली	1	राजतंत्र शासन और लोकतंत्र शासन व्यवस्था में अंतर स्पष्ट करता है। अयोग्य शासक होने पर किसी विकसित राज्यों से किस प्रकार पिछड़ जाता है इसकी व्याख्या करता है।
			ब्रिटेन की अजीब दास्तान राष्ट्र की दृष्य–कल्पना	1	
			माह अप्रैल में कुल कालांष	8	
July	पहला	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद	1	
			मानचित्र कार्य	1	
	दूसरा		पुनरावृत्ति कार्य	1	
			पुनरावृत्ति कार्य	1	
			माह मई 2021 में कुल कालांष	4	
			प्रथम पाठ में कुल कालांष	12	

August			भारत में राष्ट्रवाद	1	भारतीय आंदोलनकारियों के माध्यम से भारत में समानता, एकता एवं बन्धुत्व की भावना विकसित हुई इसकी व्याख्या करता है। समाज में अस्पृष्यता एवं भेद–भाव विकसित समाज के लिए अभिषाप है। इन कुरीतियों को समाज से दूर करने में डॉ. भीमराव अम्बेडकर के संघर्षों पर विष्लेषण किया जाएगा। भारत की स्वतंत्रता आंदोलन में सभी जाति, धर्म एवं महात्मा गाँधी के योगदानों पर विष्लेषण किया जाएगा। अंग्रेजी शासन व्यवस्था में भारत में धर्म एवं जाति के नाम पर ''फूट डालो और राज करो'' की नीति पर व्याख्या किया जाएगा। साहित्य, लोक कथाएँ, गीत, चित्र एवं प्रतीकों ने भारतीयों में राष्ट्रवादी भावना को साकार करने में योगदान पर चर्चा की जाएगी। अंग्रजी शासन व्यवस्था और लोकतंत्रात्मक शासन व्यवस्था में अंतर स्पष्ट किया जाएगा।
	पहला		पहला विष्वयुद्ध खिलाफत और असहयोग सत्याग्रह का विचार	1	
			रॉलेट ऐक्ट असहयोग ही क्यों	1	
	दूसरा		आंदोलन के भीतर अलग–अलग धाराएँ शहरों में आंदोलन ग्रामीण इलाकों में विद्रोह	1	
			बगानों में स्वराज सविनय अवज्ञा की ओर	1	
	तीसरा		नमक यात्रा और सविनय अवज्ञा आंदोलन	1	
	चौथा	भारत में राष्ट्रवाद	लोगों ने आंदोलन को कैसे लिया	1	
			माह जून में कुल कालांष	7	
September			सविनय अवज्ञा की सीमाएँ	1	
	पहला		सामूहिक अपनेपन का भाव	1	
			निष्कर्ष मानचित्र कार्य	1	
	दूसरा		पुनरावृत्ति कार्य	1	
		भारत में राष्ट्रवाद	माह जुलाई 2021 में कुल कालांष	4	
October			आधुनिक युग से पहले रेषम मार्ग (सिल्क रूट) से जुड़ती दुनिया	1	वैष्वीकरण से विष्व में आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विकास पर व्यापक प्रभाव पड़ा। जिसका विष्लेषण किया जाएगा। आध्यात्मिक शांति के लिए उत्पीड़न/यातनापूर्ण जीवन से बचने या व्यापार के लिए दूर–दूर तक एक देष से दूसरे देषों में यात्रा करते थे। यात्री अपने साथ हुनर, विचार, आविष्कार, किटाणु और बिमारियाँ भी साथ लेकर चलते थे। इसकी जानकारी प्राप्त होती है। औपनिवेषिक व्यापारी रास्ते में ही इसाई, इस्लाम और बौद्ध धर्म की शारताएँ कई देषों में फैलाई गई। इसकी जानकारी प्राप्त हुआ। वैष्वीकरण से पूरे विष्व में कृषि, व्यापार, उद्योग एवं मजदूरों पर बहुत अधिक महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा इसकी व्याख्या किया गया। प्रथम विष्व युद्ध से अमेरिका एवं भारतीय अर्थव्यवस्था पर आर्थिक महामंदी का प्रभाव पड़ा। इस पर विष्लेषण किया गया।
	तीसरा		भोजन की यात्राः स्पैधेती और आलू विजय, बिमारी और व्यापार	1	
			उन्नीसवीं शताब्दी (1815–1914) विष्व अर्थव्यवस्था का उदय	1	
			तकनीक की भूमिका उन्नीसवीं सदी के आखिर में उपनिवेषवाद	1	
	चौथा		रिंडपेस्ट या मवेषी प्लेग भारत में अनुबंधित श्रमिकों का जाना	1	
	पाचवां		पाठ तृतीय का माह जुलाई में कुल कालांष	5	
		भूमंडलीकृत विष्व का बनना			

November			विदेष में भारतीय उद्यमी भारतीय व्यापार, उपनिवेषवाद और वैष्विक व्यवस्था	1	
	पहला		महायुद्धों के बीच अर्थव्यवस्था युद्धकालीन रूपांतर युद्धोत्तर सुधार	1	
			बड़े पैमाने पर उत्पादन और उपभोग	1	
	दूसरा		महामंदी भारत और महामंदी	1	
			विष्व अर्थव्यवस्था का पुनर्निमाणः युद्धोत्तर काल युद्धोत्तर बंदोवस्त और ब्रिटेन–वुड्स संस्थान	1	
	तीसरा		प्रारंभिक युद्धोत्तर वर्ष औपनिवेषीकरण और स्वतंत्रता ब्रिटेन वुड्स का समापन और वैष्वीकरण की शुरूआत	1	
		भूमंडलीकृत विष्व का बनना	मह अगस्त में पाठ 3 का कुल कालांष	6	
December			मनचित्र कार्य पुनरावृत्ति कार्य	1	
	पहला		पुनरावृत्ति कार्य अधिगम प्रतिफल का विष्लेषण	1	
		भूमंडलीकृत विष्व का बनना	माह सितम्बर में पाठ तृतीय का कुल कालांष	2	
			औद्योगीकरण का युग	1	18वीं शताब्दी के आखिर के मषीनों के आविष्कार से इंग्लैंड में उत्पादनों में गुणवत्तापूर्ण कार्य और बेरोजगारी बढ़ने की जानकारी प्राप्त हुआ। मशीनों के आविष्कार ने इंग्लैंड में औद्योगिक बदलाव से मजदूरों और उद्योगपतियों को क्या लाभ और हानि हुआ इसका विष्लेषण किया गया। भारत में बुनकरों के हाथ से बने कपास और रेषमी कपड़े बहुत सुन्दर होने के कारण विदेषी बाजार को काफी प्रभावित किया। इसकी जानकारी प्राप्त हुआ। मशीनों के आविष्कारों ने गांवों में बेरोजगारी और शहरों में रोजगार के अवसर खोल दिया इसकी व्याख्या की गई। प्रथम विष्व युद्ध में भारत के कारखाने और भारतीय लघु उद्योगों में भारी उतार–चढ़ाव एवं लाभ–हानि पर विष्लेषण
	दूसरा		औद्योगिक क्रांति से पहले कारखानों का उदय	1	
			औद्योगिक परिवर्त्तन की रफ़्तार	1	
	तीसरा		हाथ का श्रम और वाष्प शक्ति मजदूरों की जिन्दगी	1	
			उपनिवेषों में औद्योगीकरण भारतीय कपड़े का युग	1	
	चौथा		बुनकरों का क्या हुआ भारत में मैनचेस्टर का आना	1	
			फैक्ट्रियों का आना प्रारंभिक उद्यमी मजदूर कहाँ से आए	1	
	पाचवां				
		औद्योगीकरण का युग	माह सितम्बर में पाठ चार का कुल कालांष	7	

January		औद्योगीकरण का युग	औद्योगिक विकास का अनूठापन लघु एद्योगों की बहुतायत	1	किया गया। भारत में स्थापित कारखानों से भारतीय गांवों की स्थिति में बड़े बदलाव हुए इसकी जानकारी प्राप्त हुई।
	पहला		वस्तुओं के लिए बाजार निष्कर्ष	1	
			माह अक्टूबर में पाठ चार का कुल कालांष	2	
		औद्योगीकरण का युग	मानचित्र कार्य	1	
			पुनरावृत्ति कार्य	1	
	पहला		पुनरावृति कार्य अधिगम प्रतिफल का विष्लेषण	1	
			माह नवम्बर में पाठ चार का कुल कालांष	3	
	दूसरा	मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया	मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया शुरूआती छपी किताबें जापान में मुद्रण	1	मुद्रण के आविष्कार ने चीन, जापान और कोरिया के व्यापारी, विद्यार्थी, विद्वान, अधिकारी एवं आम जीवन को प्रभावित किया इसकी जानकारी प्राप्त हुई। मुद्रण आविष्कार ने लोगों की जिन्दगी बदल दी। इसकी बदौलत सूचना, ज्ञान संस्था और सत्ता को काफी प्रभावित किया। इस पर विष्लेषण किया गया। छापेखाने के आविष्कार ने लोगों के जीवन में सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक रूप को प्रभावित किया, इसकी व्याख्या की गई। छापेखाने के आविष्कार ने फ्रांस की क्रांति में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाया जिससे निरंकुषवाद और आतंकी राजसत्ता का अंत किया इसकी जानकारी प्राप्त हुई। मुद्रण संस्कृति के आविष्कार ने प्रगति, ज्ञानदेय एवं षिक्षा से
			यूरोप में मुद्रण का आना गुटेनबर्ग और प्रिटिंग प्रेस	1	
	तीसरा		मुद्रण क्रांति और उसका असर नया पाठक वर्ग धार्मिक विवाद और प्रिंट का डर मुद्रण और प्रतिरोध	1	
	चौथा		पढ़ने का जुनून दुनिया के जालिमों अब हिलोगे तुम! मुद्रण सुस्कृति और फ्रांसीसी क्रांति	1	

February			मह नवम्बर में पाठ 05 का कुल कालांष	4	लागा क जावन म बड़ा बदलाव किया आर इस आविष्कार न षिक्षा को सभी के लिए अनिवार्य कर दिया, इसकी व्याख्या की गई।
	पहला	मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया	उन्नीसवीं सदी बच्चे, महिलाएँ और मजदूर नए तकनीकी परिष्कार	1	
			भारत का मुद्रण संसार मुद्रण युग से पहले की पांडुलीपियाँ छपाई भारत आई	1	
	दूसरा		धार्मिक सुधार और सार्वजनिक बहसें	1	
			प्रकाशन के नए रूप महिलाएँ और मुद्रण	1	
	तीसरा		प्रिंट और गरीब जनता प्रिंट और प्रतिबंध	1	
			पुनरावृत्ति कार्य अधिगम प्रतिफल का विष्लेषण	1	
	चौथा		पुनरावृत्ति कार्य अधिगम प्रतिफल का विष्लेषण	1	
			माह दिसम्बर में पाठ 5 का कुल कालांष	7	
	पहला	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	पुनरावृति कार्य	1	
		भारत में राष्ट्रवाद	पुनरावृति कार्य	1	
	दूसरा	भूमंडलीकृत विष्व का बनना	पुनरावृति कार्य	1	
		औद्योगीकरण का युग	पुनरावृति कार्य	1	
	तीसरा	मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया	पुनरावृति काय	1	
			माह जनवरी 2022 में कुल कालांष	5	
March		सभी पाठ से महत्वपूर्ण प्रष्नों की पुनरावृत्ति कार्य	महत्वपूर्ण प्रष्नों की पुनरावृत्ति	2	